Course Title : **स्त्री विमर्श**

Course Code: PHHN106DST

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श का परिचय कराना।
2. स्त्री विमर्श से जोड़कर रचनाओं की समीक्षा करवाना
3. स्त्री विमर्श की तुलना का परिचय देना।

Course Outcomes:

1. स्त्री विमर्श के महत्त्व को समझेंगे।
2. साहित्य द्वारा भारतीय समाज की व्यवस्था से परिचित होंगे।
3. समकालीन समाज से स्त्री विमर्श के सन्दर्भ को समझेंगे।

खंड- I		**Instruction Hours**
	इकाई 1. स्त्री विमर्श : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा 2. स्त्री विमर्श : ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक परिवेश	15
खंड-II		
	इकाई 1. स्त्री विमर्श : आलोचना 2. कठगुलाब (उपन्यास) : मृदुला गर्ग 3. दर्द्जा : जयश्री रॉय	15
खंड-III		
	इकाई **कहानी** 1. अकेली : मन्नू भंडारी 2. राही : सुभद्रा कुमारी चौहान	15

	3. धोखा : रजतरानी मीनू 4. उजड़े दायरे में : गीताश्री 5. छाँह : मैत्रेयी पुष्पा 6. पार्टनर : अलका सरावगी	
खंड- IV	**आदिवासी विमर्श**	
	इकाई **स्त्री विमर्श : आलोचना** 1. खांटी घरेलू औरत	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	कठगुलाब (उपन्यास) : मृदुला गर्ग
2	अकेली : मन्नू भंडारी
3	राही : सुभद्रा कुमारी चौहान
4	दर्द्जा : जयश्री रॉय
5	धोखा : रजतरानी मीनू
6	उजड़े दायरे में : गीताश्री
7	छाँह : मैत्रेयी पुष्पा
8	पार्टनर : अलका सरावगी
9	स्त्रीवादी विमर्शः साहित्य और समाज : क्षमा शर्मा
10	औरत अपने लिए : लता शर्मा
11	स्त्री अस्मिता साहित्य और विचार : जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह
12	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे
13	मनुस्मृति में नारी : डॉ. सुमंगला झा
14	औरतें और आवाजें : क्षमा शर्मा
15	हम सभ्य औरतें : मनीषा

वेबसाइट

https://www.hindisamay.com

Course Title : हिन्दी कथा साहित्य

Course Code: PHHN107DST

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4

Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30

End Semester : 70
Exam Duration : 3Hrs

Course Objectives:

1. उपन्यास और कहानी के इतिहास को दर्शाना।
2. उपन्यास और कहानियों को सन्दर्भ के अनुसार जोड़कर बताना।
3. प्रमुख रचनाकारों और मुख्य रचनाओं से परिचय करवाना।

Course Outcomes:

1. हिंदी कथा साहित्य के महत्त्व को समझेंगे।
2. महत्वपूर्ण रचनाकारों, रचनाओं तथा तत्कालीन समाज से अवगत होंगे।
3. सामाजिक सन्दर्भ के अनुसार रचनाओं का विश्लेषण कर पाएंगे।

खंड-I	Course Content	Instruction Hours
	इकाई 1. उपन्यास का विकास : एक परिचय 2. गोदान : प्रेमचंद	15
खंड-II		
	इकाई 1. महाभोज : मन्नू भंडारी 2. दूब : वीरेंद्र जैन	15
खंड-III		
	इकाई 1. हिंदी कहानी का विकास : एक परिचय 2. बस स्टैंड की एक रात : मोहन राकेश 3. वापसी : उषा प्रियंवदा	15
खंड-IV		

	इकाई **1.** प्रेतयोनि : चित्रा मुद्गल **2.** शवयात्रा : ओमप्रकाश वाल्मीकि **3.** पॉल गोमरा का स्कूटर : उदय प्रकाश	15

Examination and Evaluation Pattern:
Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References :

1	हिंदी उपन्यास का समाजशास्त्र : गरिमा श्रीवास्तव
2	हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
3	हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
4	हिंदी कहानी का इतिहास : गोपाल राय
5	कहानी-नई कहानी : नामवर सिंह
6	उत्तरशती की हिंदी कहानी : तेज सिंह
7	कहानी : समकालीन चुनौतियाँ : शम्भू गुप्ता
8	गोदान : प्रेमचंद
9	महाभोज : मन्नू भंडारी
10	दूब : वीरेंद्र जैन
11	बस स्टैंड की एक रात : मोहन राकेश
12	वापसी : उषा प्रियंवदा
13	प्रेतयोनि : चित्रा मुद्गल
14	शवयात्रा : ओमप्रकाश वाल्मीकि
15	पॉल गोमरा का स्कूटर : उदय प्रकाश
16	कथाकार प्रेमचंद : सं. रामदरश मिश्र, डॉ. ज्ञानचंद गुप्त

17	भारतीय स्त्री: संस्कृति संदर्भ : डॉ. प्रतिभा जैन
18	परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
19	हिंदी कहानी एक नई दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान
20	हिंदी उपन्यास तीन दशक : राजेंद्र अवस्थी

वेबसाइट

https://www.hindisamay.com

Course Title : **मुस्लिम विमर्श : एक अध्ययन**

Course Code: PHHN105DST

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में मुस्लिम विमर्श का परिचय कराना।
2. विमर्शों से जोड़कर रचनाओं की समीक्षा करवाना।
3. विमर्शों की तुलना का परिचय देना।

Course Outcomes:

4. मुस्लिम विमर्श के महत्त्व को समझेंगे।
5. साहित्य द्वारा भारतीय समाज की व्यवस्था से परिचित होंगे।
6. समकालीन समाज से मुस्लिम विमर्श के सन्दर्भ को समझेंगे।

खंड- I		**Instruction Hours**
	इकाई **मुस्लिम विमर्श : स्वरूप एवं अवधारणा** 1. मुस्लिम विमर्श की पृष्ठभूमि : स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर स्थिति 2. मुस्लिम विमर्श का अर्थ एवं परिभाषा 3. मुस्लिम विमर्श की आवश्यकता एवं महत्त्व 4. हिंदी साहित्य में चित्रित अल्पसंख्यक की स्थिति	15
खंड-II		
	इकाई **मुस्लिम तथा गैर मुस्लिम साहित्यकारों का योगदान** 1. मुस्लिम विमर्श : स्वानुभूति और सहानुभूति 2. मुस्लिम हिंदी साहित्यकारों का परिचयात्मक विवरण एवं उनका योगदान गुलशेर खां शानी, राही मासूम रज़ा, अब्दुल बिस्मिल्लाह, बदिउज्ज़मा, मह्न्निसा परवेज़, नासिरा शर्मा, असगर वजाहत, आबिद सुरती, अनवर सुहैल, मंज़ूर एहतेशाम आदि. 3. गैर मुस्लिम साहित्यकारों का परिचयात्मक विवरण एवं उनका योगदान	15

	प्रेमचंद, भीष्म सहनी, पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', इलाचंद जोशी, कृष्णा सोबती,	
खंड-III		
	इकाई **मुस्लिम समाज की समस्याएँ** 1. सामाजिक समस्याएँ : मुस्लिम विवाह (निकाह), इस्लाम में बहुविवाह प्रथा, मेहर, तलाक और खुला, दहेज की समस्या, पर्दा प्रथा आदि. 2. आर्थिक समस्या : गरीबी, बेरोज़गारी, खान-पान 3. शैक्षिक समस्या, स्त्री शिक्षा, उर्दू भाषा की समस्या 4. राजनीतिक समस्या : भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था, नेता मुआवज़ा, आतंकवाद, राजनीति में मुस्लिम नेतृत्व का अभाव, रानीतिक परिस्थिति से पीड़ित स्त्री 5. धार्मिक समस्याएँ : अन्धविश्वास, धार्मिक कट्टरता, मुस्लिम धार्मिक क़ानून की समस्याएँ	15
खंड- IV		
	इकाई **मुस्लिम हिंदी साहित्यकारों का योगदान एवं हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त मुस्लिम संवेदना** 1. हिंदी उपन्यास में अभिव्यक्त मुस्लिम संवेदना 2. हिंदी कहानियों में अभिव्यक्त मुस्लिम संवेदना 3. हिंदी नाटकों में अभिव्यक्त मुस्लिम संवेदना 4. हिंदी गद्येतर साहित्य में अभिव्यक्त मुस्लिम संवेदना **5.** हिंदी साहित्य : हिन्दू-मुस्लिम एकता का सन्देश	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	सम्पूर्ण कहानियाँ : मंज़ूर एहतेशाम
2	असगर वजाहत की चुनिन्दा कहानियाँ : असगर वजाहत
3	लाल गुलाब : मेहरुन्निसा परवेज़
4	दस प्रतिनिधि कहानियाँ, विशिष्ट कहानियाँ : आबिद सुरती
5	कारोबार तमन्ना : राही मासूम रज़ा
6	चर्चित कहानियाँ, प्रतिनिधि कहानियाँ : गुलशेर खां शानी
7	कहानी संग्रह-1 : नासिरा शर्मा
8	अतिथि देवो भवः : अब्दुल बिस्मिल्लाह
9	विमर्श के विविध आयाम : डॉ. अर्जुन चौहान

10	हिंदी के मुस्लिम कथाकार : डॉ. एम. फ़िरोज़ खान
11	मुस्लिम समाज जीवन और अब्दुल बिस्मिल्लाह के उपन्यास : डॉ. बाबा साहेब रसूल शेख
12	साहित्य सिद्धांत और अवधारणाएँ : डॉ. अरुण प्रकाश मिश्र
13	नासिरा शर्मा का कथा साहित्य : शेख अफ्रोज़ फातिमा
14	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का समाज : डॉ. कीर्ति केसर
15	समकालीन कहानियाँ : युगबोध का सन्दर्भ : डॉ. पुष्पपाल सिंह
16	मेहरुन्निसा परवेज़ का कथा साहित्य : डॉ. मनोहर नलावडे
17	असगर वजाहत की कहानियों में समस्या विरोधी स्वर : अम्बेकर बाबुराव

वेबसाइट

https://www.hindisamay.com

Course Title : दलित विमर्श

Course Code: PHHN104DST

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. दलित साहित्य के महत्त्व से परिचित कराना।
2. दलित आंदोलन इतिहास का एक अभिन्न अंग है। यह एक प्रकार से हाशिए के समाज से जुड़े लोगों का आंदोलन है। समय और समाज की आवश्यकता बनकर आज यह भारत के सभी प्रांतों में फैला है। यह आंदोलन भारतीय साहित्य को प्रभावित करते हुए अपनी नई धारा का निर्माण कर रहा है। अतःदलित साहित्य का विशेष अध्ययन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों के साथ जोड़कर करना होगा।

Course Outcomes:

इस अध्ययन के द्वारा छात्र-छात्रओं को हाशिए के सामाज से जुड़े लोगों की पीड़ा को समझने का अवसर मिलेगा। साहित्य एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने अनुभवों को संप्रेषित करने के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

खंड-I		Instruction Hours
	इकाई 1. हिंदी दलित विमर्श : दलित साहित्य- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप 2. दलित साहित्य : ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक परिवेश (आलोचना)	15
खंड-II		
	इकाई 1. मुर्दहिया (आत्मकथा) : तुलसीराम 2. पच्चीस चौका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि 3. सिलिया : सुशीला टाकभौरे 4. बहु जुठाई : रमणिका गुप्ता	15
खंड-III		

	इकाई 1. सुरंग : दयानंद बटोही 2. दलित ब्राह्मण : शरण कुमार लिम्बाले 3. साज़िश : सूरजपाल चौहान 4. अपना गाँव : मोहनदास नैमिशराय 5. धूप : सीबी भारती	15
खंड-IV		
	इकाई दलित साहित्य : कविता- तिनका-तिनका आग : जयप्रकाश कर्दम	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	मुर्दहिया (आत्मकथा) : तुलसीराम
2	पच्चीस चौका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि
3	सिलिया : सुशीला टाकभौरे
4	बहु जुठाई : रमणिका गुप्ता
5	सुरंग : दयानंद बटोही
6	दलित ब्राह्मण : शरण कुमार लिम्बाले
7	साज़िश : सूरजपाल चौहान
8	अपना गाँव : मोहनदास नैमिशराय
9	धूप : सीबी भारती
10	साहित्य और दलित चेतना- महीप सिंह
11	शोषित समाज की दिशा और दशाः समग्र मूल्यांकन-डॉ. आर.एम.एस विजयी

12	सामाजिक न्याय एवं दलित संघर्ष - रामगोपाल सिंह
13	दलित चेतना साहित्य - रमणिका गुप्ता
14	दलित चेतना सोच - रमणिका गुप्ता
15	दलित विमर्श की भूमिका - कंवल भारती
16	भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या - जगजीवन राम
17	दलित साहित्य चिंतन के विविध आयाम - डॉ.एन. सिंह
18	दलित साहित्य और सामाजिक न्याय - डॉ.पुरुषोत्तम सत्य प्रेमी
19	हिंदी काव्य में दलित काव्य धारा - सं.ठाकुर प्रसाद शाही

Course Title : **हिन्दी नाटक और रंगमंच**

Course Code: PHHN101DST

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. नाटक के माध्यम से अनेकों परिवर्तन होते हैं। इसके विषय में जानकारी देना।
2. हिंदी नाटक और रंगमंच की जानकारी देना या परिचय कराना।
3. इसके सकारात्मक उपयोग क्या हो सकते है? इसे स्पष्ट किया जायेगा।

Course Outcomes:

1. हिंदी नाटक और रंगमंच के महत्त्व को समझेंगे.
2. हिंदी नाटकों, नाटककारों और निर्देशकों से परिचित होंगे.
3. साहित्य, नाटक और रंगमंच के परस्पर संबंधों को जान पाएंगे.
4. दृश्य माध्यम के प्रभाव को समझ पाएंगे.

खंड-1	Course Content	Instruction Hours
	इकाई **नाटक का उद्भव और विकास** **1.** प्राचीन (संस्कृत) में नाटक के प्रकार **2.** ग्रीक में नाटक के प्रकार **3.** हिंदी में नाटक के प्रकार **4.** लोक नाटक के प्रकार **5.** आधुनिक काल के असंगत और नुक्कड़ नाटक, एकांकी का विकास	15
खंड-II		
	इकाई **हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास** 1. भारतेंदु युग में रंगमंच 2. प्रसाद युग में टी\रंगमंच 3. प्रसादोत्तर युग में रंगमंच	15

	4. नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन _____ 1. पृथ्वीराज कपूर 2. राधेश्याम कथावाचक 3. आगहश्र कश्मीरी 4. नारायण प्रसाद बेताब, भिखारी ठाकुर	
खंड-III		
	इकाई **नाटक के प्रकार** 1. गीति नाटक 2. असंगत नाटक 3. नुक्कड़ नाटक 4. अन्य नाटक	15
खंड-IV		
	इकाई **हिंदी के प्रमुख नाटक और उनकी आलोचना** 1. स्कंदगुप्त- जयशंकर प्रसाद 2. आधे अधूरे- मोहन राकेश 3. जिस लाहौर न देख्या ओ जम्याई नई- असगर वजाहत 4. उत्तर-प्रश्न- मीराकांत	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
2	स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3	जिस लाहौर न देख्या..... असगर वजाहत
4	उत्तर-प्रश्न- मीराकांत
5	भारतेंदुकालीन नाट्य साहित्य : डॉ. गोपीनाथ तिवारी

6	हिन्दी रंग मंच का इतिहास : डॉ. चंदूलाल दुबे
7	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
8	रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल
9	आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेंद्र
10	हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
11	आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
12	हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
13	हिन्दी नाटक और रंगमंच : पवन कुमार मिश्र
14	रंग दस्तावेज़ (भाग-1,2) : महेश आनंद
15	रंग परंपरा : जयदेव तनेजा
16	नुक्कड़ नाटक-रचना और प्रस्तुति : प्रज्ञा
17	सफ़दर : सफ़दर हाशमी
18	हिंदी नाटक का आत्म संघर्ष : गिरीश रस्तोगी
19	रंगयात्रा : जे.एन. कौशल

वेबसाइट

1. https://www.hindisamay.com
2. https://www.nsd.gov.in
3. https://www.natyashodh.org

Course Title : शोध प्रविधि और प्रक्रिया

Course Code: PHHN101CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

शोध का स्वरुप, सोपान, प्रकार, भाषा वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, समजशास्त्रीय, तुलनात्मक, सर्वेक्षणात्मक, पाठानुसंधन सभी को जानने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक प्रकार के शोध में शोध प्रक्रिया तथा उसकी प्रविधि जानना आवश्यक होता है।

Course Outcomes:

शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया जानने के पश्चात् शोध करना सुगम हो जाएगा। विषय के अनुसार शोध का प्रकार चुना जा सकता है। शोध प्रविधि के अनुरूप होगा।

Unit	Course Content	Instruction Hours
I	1. शोध : परिभाषा : स्वरूप एवं प्रयोजन 2. शोध के मूल तत्व : शोध के सोपान 3. शोध प्रक्रिया 4. विषय चयन, परिकल्पना, सामग्री चयन, सामग्री स्रोत, निष्कर्ष	15
II	1. प्रविधि : रूपरेखा निर्माण, अध्याय, विभाजन, शीर्षक- उपशीर्षक और अनुपात। 2. प्रस्तुतीकरण : रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका, संदर्भ, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, ग्रंथानुक्रमणिका।	15
III	1. शोध और आलोचना : अन्त:संबंध 2. साहित्यिक और साहित्येतर शोध : साम्य, वैषम्य एवं अन्त:संबंध	15
IV	**शोध के प्रकार :** 1. भाषा वैज्ञानिक शोध 2. मनोवैज्ञानिक शोध 3. समाजशास्त्रीय शोध 4. तुलनात्मक शोध 5. सर्वेक्षणात्मक शोध 6. अनूदित साहित्य संबंधी शोध (अनुवाद समीक्षा / अनुवाद मूल्यांकन) 7. पाठानुसंधान	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:	
1	अनुसंधान का स्वरूप : सं.डॉ. सावित्री सिन्हा
2	अनुसंधान की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3	अनुसंधान के मूलतत्व : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4	शोध प्रविधि : डॉ. विनय मोहन शर्मा
5	शोध प्रक्रिया एवं विविरणिका : डॉ. सरनाम सिंह शर्मा
6	अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदय भानु सिंह
7	साहित्यिक शोध के सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. देवराज उपाध्याय एवं डॉ. रामगोपाल शर्मा
8	शोध प्रविधि और प्रक्रिया : डॉ. चंद्रभान रावत, डॉ. रामकुमार खंड़ेलवाल
9	अनुसंधान : डॉ. सत्येन्द्र
10	शोध तत्व और दृष्टि : सं.डॉ. रामेश्वरलाल, खंड़ेलवाल
11	संभावना शोध विशेषांक : कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र द्वारा प्रकाशित
12	हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप : सं.डॉ.म.ह. राजूरकर, राजमल बोरा
13	अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप : डॉ. ऊर्वशी सूरती
14	हिन्दी शोध तंत्र की रूप रेखा : मनहोहन सहगल
15	तुलनात्मक अनुसंधान की समस्याएँ : डॉ. गुलाम रसूल
16	साहित्यिक अनुसंधान के आयाम : डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन
17	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया : डॉ. शशिभूषण सिंहल
18	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया : एस.एन.गणेशन
19	हिन्दी अनुसंधान : विजयपाल सिंह
20	Introduction to Research : T. Hallway
21	The strategy of Research : Siogeorge P.thompso
22	The Art of Scientific Research : W.I.B. Beralidge
23	How to find them a guide to Research : W.A. Bagle.
24	Nature of scientific Revolution : Thomas Kuhn
25	The scholar Critic : F.W. Batesaw
26	अनुसंधान प्राविधि और प्रक्रिया : एस.एन. गणेशन

Course Title : साहित्य का समाजशास्त्र

Course Code: PHHN102CCT

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3Hrs

Course Objectives:

शोधार्थियों को शोध कार्य के दौरान साहित्य के समाजशास्त्र, विविध स्वरूप, विविध विमर्शों, का परिचय, समाजशास्त्रीय चिंतन परंपरा, साहित्य के विविध रूप, प्रमुख आलोचकों का साहित्यिक परिचय, विविध साहित्यिक विधाओं से संबंधित विस्तृत परिचय दिया जाएगा।

Course Outcomes:

शोधार्थी शोध के दौरान साहित्य के साथ जुडी हुई मुख्य विधाओं, विमर्शों, रूपों को अपने शोध से आवश्यकता के अनुसार चिंतन मनन करने में सक्षम बन पाएगें।

Unit	Course Content	Instruction Hours
I	1. साहित्य का समाजशास्त्र : परिभाषा और स्वरूप। 2. हिन्दी में समाजशास्त्रीय आलोचना का उद्भव एवं विकास। 3. साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन **:** भारतीय परंपरा (कोशांबी, पूरनचंद जोशी) 4 साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन **:** पाश्चात्य परंपरा (तेन, मार्क्स, लीविस, रोला बार्थ) 5. समाजशास्त्रीय पद्धति की समस्याएँ और अध्ययन की सीमाएँ।	15
II	1. साहित्यिक कल्पना और समाजशास्त्रीय कल्पना। 2. साहित्यिक विधाओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन : काव्य, उपन्यास एवं नाटक। 3. भारतीय साहित्य की संकल्पना और साहित्य का समाजशास्त्र।	15
III	1. भारतीय साहित्य में साहित्य रूपों का तुलनात्मक अध्ययन। 2. हिन्दी के प्रमुख आलोचक **:** रामचंद्र शुक्ल, रामविलास शर्मा, नामवरसिंह, 3. मैनेजर पाण्डेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बच्चन सिंह।	15
IV	1. साहित्य का समाजशास्त्र और दलित विमर्श।	15

	2. साहित्य का समाजशास्त्र और स्त्री विमर्श। 3. साहित्य का समाजशास्त्र और मुस्लिम विमर्श। 4. साहित्य का समाजशास्त्र और आदिवासी विमर्श।	

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References :

1	साहित्य का समाजशास्त्र : डॉ. विश्वंभरदयाल गुप्त, सीता प्रकाशन, हाथरस।
2	साहित्य का समाजशास्त्र: मान्यता और स्थापनाएँ : श्रीराम मेहरोत्रा।
3	उपन्यास का समाजशास्त्र : डॉ. विश्वंभरदयाल गुप्त।
4	ग्रामीण समाजशास्त्र - साहित्य के परिप्रेक्ष्य में : डॉ. विश्वंभरदयाल गुप्त।
5	हिन्दी उपन्यासों के विकास पर पाठकों की : डॉ. गोपालराय, ग्रंथ निकेतन रुचि का प्रभाव : युनिवर्सिटी कालोनी, राजेन्द्र नगर पटना - 800016
6	लेखक और परिवेश : सं.डॉ.वचनदेव कुमार राजकमल प्रकाशन, नई-दिल्ली
7	साहित्य का समाजशास्त्र वर्तमान स्थिति और इतिहास,पद्धतिमूलक समस्याएँ: लुसिए गोल्डमान आलोचना, नवांक 20 फरवरी मार्च -1972
8	साहित्य का समाजशास्त्र : मालकम ब्रैडवरी : आलोचना,नवांक 25 अप्रैल-जून 1973
9	साहित्यिक कल्पना और समाजशास्त्रीय कल्पना : रिचर्ड हागर्ट आलोचना,नवांक-25
10	संस्कृति के मार्क्सीय सिद्धांत के आधार और : रेमंड विलियम्स ऊपरी ढ़ाँचे की सार्थकता : आलोचना नवांक31
11	परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम : पूरनचंद जोशी
12	अवधारणाओं का संकट : पूरनचंद जोशी
13	साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : डॉ. मैनेजर पांड़ेय।
14	विभ्रम और यथार्थ : क्रिस्टोफ्र काडवेल अनु. भगवान सिंह
15	साहित्य की पारिस्थिकी : राजेन्द्रप्रसाद सिंह
16	भारतीय दलित साहित्य का विद्रोही स्वर: डॉ. विमल थोरात सूरज ड़त्या, रावत ब्लिकेशन्स,2008,अपार्टमेंट, सेन्टर-3, जवाहर नगर जैपुर -04
17	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : डॉ.शरण कुमार लिंबाले 2000 वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-2

18	दलित कहानी संचयन : सं.रमणिका गुप्ता 2006, साहित्य अकादेमी नई दिल्ली-110002
19	आधुनिकता के आईने में दलित : सं.अभय कुमार दुबे, 2002 वाणी प्रकाशन दिल्ली-02
20	दलित जीवन का अधिकार और :मिनी प्रिया, आर, निर्मला पुतुल की कविता 2006,जवाहर पुस्तकालय मथुरा
21	'हंस' पत्रिका. दलित साहित्य विशेषांक : सं. राजेन्द्र यादव,अगस्त, 2004,अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली - 2
22	दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर : डॉ. विमल थोरात, 2008 अनामिका पब्लिशर्स, एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली-1
23	चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेन्द्र चौबे 2000-1, नवलेखन प्रकाशन,मेनरोड़,हजारीबाग, बिहार-825301
24	दलित साहित्य सृजन के संदर्भ : डॉ. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी. 1999, कामना प्रकाशन, नई दिल्ली-93
25	दलित चेतना : सोच : सं.रमणिका गुप्ता,1998, नवलेखन प्रकाशन, मेनरोड, हजारीबाग.
26	दलित साहित्य : रचना विचार : डॉ. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी. 2001, आतिश प्रकाशन, नई दिल्ली - 110064
27	स्त्रीवादी विमर्श : साहित्य और समाज : क्षमा शर्मा, 2002,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
28	औरत अपने लिए : लता शर्मा, 2006, सामायिक प्रकाशन नई दिल्ली-110002
29	मनुस्मृति में नारी :डॉ. सुमंगला झा,2006,संजय प्रकाशन,दरिया गंज,नई दिल्ल्ली- 110002
30	औरतें और आवाजें : क्षमा शर्मा, 2002, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
31	हम सभ्य औरतें : मनीषा 2004,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
32	स्त्री सशक्तीकरण के विविध आयाम : सं. डॉ. ऋषभदेव शर्मा,2004, गीता प्रकाशन, हैदराबाद.
33	अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य : सं.राजेन्द्र यादव,अर्चना वर्मा-2001 राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली - 2

ANNEXURE

Course Title:

- **Research and Publication Ethics (RPE)**-Course for awareness about the publication ethics and publication misconducts.

Course Level:

- 2 Credit course (30 hrs.)

Eligibility:

- M.Phil., Ph.D. students and interested faculty members (It will be made available to post graduate students at later date)

Fees:

- As per University Rules

Faculty:

- Interdisciplinary Studies

Qualifications of faculty members of the course:

- Ph.D. in relevant subject areas having more than 10 years' of teaching experience

About the course

Course Code: CPE- RPE

Overview

- This course has total 6 units focusing on basics of philosophy of science and ethics, research integrity, publication ethics. Hands-on-sessions are designed to identify research misconduct and predatory publications. Indexing and citation databases, open access publications, research metrics (citations, h-index, Impact Factor, etc.) and plagiarism tools will be introduced in this course.

Pedagogy:

- Class room teaching, guest lectures, group discussions, and practical sessions.

Evaluation

- Continuous assessment will be done through tutorials, assignments, quizzes, and group discussions. Weightage will be given for active participation. Final written examination will be conducted at the end of the course.

Course structure

- The course comprises of six modules listed in table below. Each module has 4-5 units.

Modules	Unit title	Teaching hours
Theory		
RPE 01	Philosophy and Ethics	4
RPE 02	Scientific Conduct	4
RPE 03	Publication Ethics	7
Practice		
RPE 04	Open Access Publishing	4
RPE 05	Publication Misconduct	4
RPE 06	Databases and Research Metrics	7
	Total	30

Syllabus in detail

THEORY

- RPE 01: PHILOSOPHY AND ETHICS (3 hrs.)

1. Introduction to philosophy: definition, nature and scope, concept, branches
2. Ethics: definition, moral philosophy, nature of moral judgements and reactions

- RPE 02: SCIENTIFICCONDUCT (5hrs.)

1. Ethics with respect to science and research
2. Intellectual honesty and research integrity
3. Scientific misconducts: Falsification, Fabrication, and Plagiarism (FFP)
4. Redundant publications: duplicate and overlapping publications, salami slicing
5. Selective reporting and misrepresentation of data

- RPE 03: PUBLICATION ETHICS (7 hrs.)

1. Publication ethics: definition, introduction and importance
2. Best practices / standards setting initiatives and guidelines: COPE, WAME, etc.
3. Conflicts of interest
4. Publication misconduct: definition, concept, problems that lead to unethical behavior and vice versa, types
5. Violation of publication ethics, authorship and contributorship
6. Identification of publication misconduct, complaints and appeals
7. Predatory publishers and journals

PRACTICE

- RPE 04: OPEN ACCESS PUBLISHING (4 hrs.)

1. Open access publications and initiatives

2. SHERPA/RoMEO online resource to check publisher copyright & self-archiving policies
3. Software tool to identify predatory publications developed by SPPU
4. Journal finder / journal suggestion tools viz. JANE, Elsevier Journal Finder, Springer Journal Suggester, etc.

- **RPE 05: PUBLICATION MISCONDUCT (4hrs.)**

A. Group Discussions (2 hrs.)

1. Subject specific ethical issues, FFP, authorship
2. Conflicts of interest
3. Complaints and appeals: examples and fraud from India and abroad

B. Software tools (2 hrs.)

Use of plagiarism software like Turnitin, Urkund and other open source software tools

- **RPE 06: DATABASES AND RESEARCH METRICS (7hrs.)**

A. Databases (4 hrs.)

1. Indexing databases
2. Citation databases: Web of Science, Scopus, etc.

B. Research Metrics (3 hrs.)

1. Impact Factor of journal as per Journal Citation Report, SNIP, SJR, IPP, Cite Score
2. Metrics: h-index, g index, i10 index, altmetrics

****